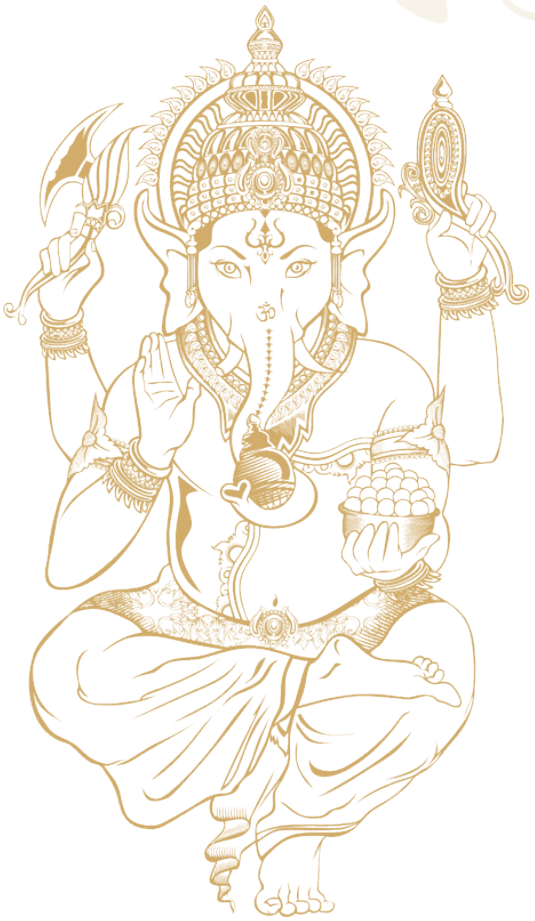

Durgesh

Nikita Nyati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121405403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1996	जन्म तिथि	31/05/1996
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	17:40:00 घंटे
घटी 15:16:10	जन्म समय(घटी)	29:22:51 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Jalgaon
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	21:01:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	75:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:32	सूर्योदय	05:45:48
18:51:16	सूर्यास्त	19:04:35
23:48:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 11मा 11दि	06:57:37	वृश्चि	लग्न	तुला	28:40:49	गुरु 6वर्ष 3मा 23दि
बुध	13:22:02	सिंह	सूर्य	वृष	16:30:15	बुध
11/08/2013	04:46:24	मीन	चंद्र	तुला	28:04:20	23/09/2021
12/08/2030	29:30:43	मिथु	मंगल	मेष	27:27:36	23/09/2038
बुध 08/01/2016	08:32:57	कन्या	बुध	मेष	26:21:24	बुध 20/02/2024
केतु 04/01/2017	14:02:17	धनु व	गुरु व	धनु	22:44:27	केतु 16/02/2025
शुक्र 05/11/2019	27:54:28	मिथु	शुक्र व	मिथु	01:57:53	शुक्र 18/12/2027
सूर्य 11/09/2020	12:09:34	मीन व	शनि	मीन	11:41:44	सूर्य 23/10/2028
चन्द्र 10/02/2022	14:25:17	कन्या व	राहु व	कन्या	22:02:04	चन्द्र 25/03/2030
मंगल 07/02/2023	14:25:17	मीन व	केतु व	मीन	22:02:04	मंगल 22/03/2031
राहु 27/08/2025	07:28:43	मक व	हर्ष व	मक	10:34:05	राहु 08/10/2033
गुरु 02/12/2027	01:31:39	मक व	नेप व	मक	03:40:43	गुरु 14/01/2036
शनि 12/08/2030	06:37:54	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	07:41:18	शनि 23/09/2038

लग्न-चलित

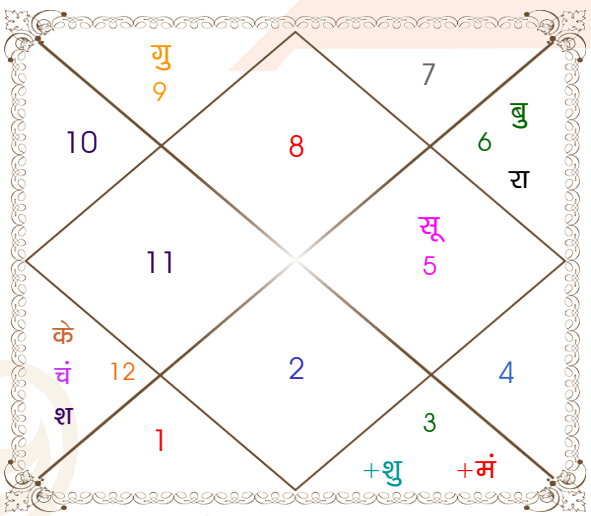

लग्न-चलित

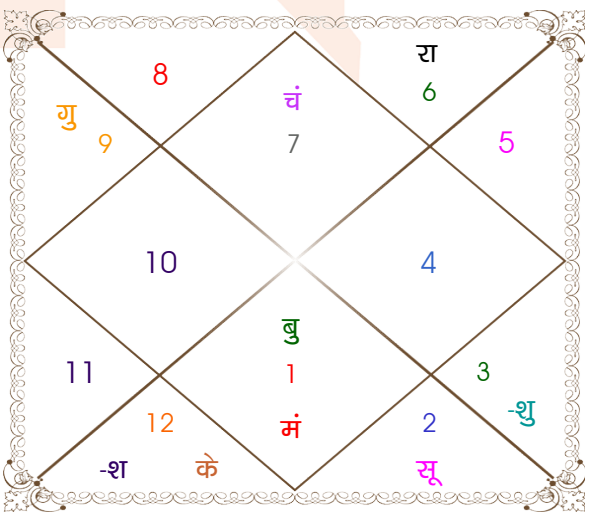

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	व्याघ्र	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Durgesh का वर्ग सर्प है तथा छपापजं छलंजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Durgesh और छपापजं छलंजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Durgesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

छपापजं छलंजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल छपापजं छलंजप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल छपापजं छलंजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि छपापजं छलंजप कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छपापजं छलंजप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Durgesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Durgesh तथा छपापजं छलंजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।